ये दूरी ये जुदाई मुझे ना रास आई भजन लिरिक्स

ये दूरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई,
तेरे बिना ये संसार,
सुनले मेरे लखदातार,
लगे जैसे हो गहरी खाई,
ये दुरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई।bd।

तर्ज – वफ़ा ना रास आई।

जिस और जहाँ भी मैं देखूं,
धोखा और झूठ नज़र आये,
मोह माया और रिश्ते नाते,
सब छल से मिले बशर आये,
इनसे होके मैं लाचार,
आया तेरे दरबार,
झूठी प्रीत ना मुझको भायी,
ये दुरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई।bd।

ये दुनिया पागलखाना है,
तेरा दर ही मेरा ठिकाना है,
तेरे नाम की मस्ती का प्यासा,
तेरा दर मेरा मैखाना है,
चढ़ा जबसे खुमार,
रटूँ ये ही बार बार,
है प्यार की ये गहराई,
ये दुरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई।bd।

‘धीरज’ तेरे दर से मिला मुझको,
दीवाना तेरा मैं बन बैठा,
बन कर के लहू मेरी नस नस में,
तेरे प्यार का सागर उमड़ बैठा,
मुझपे तेरा है अधिकार,
मेरे खाटू के सरकार,
अब सुनले मेरी दुहाई,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

ये दुरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई।bd।

ये दूरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई,
तेरे बिना ये संसार,
सुनले मेरे लखदातार,
लगे जैसे हो गहरी खाई,
ये दुरी ये जुदाई,
मुझे ना रास आई।bd।

Singer – Shvam Ladla

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com